सांध्य दैनिक
4PM
जिद...सच की
www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK
● वर्ष: 8 ● अंक: 296 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, बुधवार, 7 दिसम्बर, 2022
मूल्य ₹ 3/-

मैं इस दुनिया में आपकी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नहीं हूं और आप इस दुनिया में मेरी उम्मीदों पर खरा उतरने के लिए नहीं हैं।

- ब्रूस ली

विधायकों को खरीद-फरोख्त से बचाने... 8 | लखनऊ: मेयर का टिकट पाने को... 3 | इरफान सोलंकी के भाई और चाचा... 7

दिल्ली में चला केजरीवाल का जादू, पर फेल हो गये एग्जिट पोल

दर्जनों भाजपा सांसद, मुख्यमंत्री और केन्द्रीय मंत्री भी न बचा पाये एमसीडी चुनावों में भाजपा की ऐतिहासिक हार

» मीनाक्षी लेखी, प्रवेश वर्मा रमेश विधुडी व हंसराज के क्षेत्र में बीजेपी चित

» प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के इलाके पटेल नगर की तीनों सीटें हारी भाजपा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

दिल्ली एमसीडी चुनाव में भाजपा-कांग्रेस को बड़ा नुकसान 'आप' का कमाल

नई दिल्ली। दिल्ली एमसीडी चुनाव में आम आदमी पार्टी ने धमाकेदार जीत दर्ज की है। पिछले चुनाव के मुकाबले भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस को इस बार बड़ा नुकसान हुआ है। जबकि झांडू ने कमाल कर भाजपा से एमसीडी की गद्दी छीन ली है।

गौतम गंभीर, डॉ. हर्षवर्धन व तिवारी ने अपने-अपने संसदीय क्षेत्र में बचाई लाज

नतीजे बता रहे हैं कि एमसीडी चुनाव में प्रचार में उतरी भाजपा के दर्जनों सांसद, कई राज्यों के मुख्यमंत्री व केन्द्रीय मंत्रियों की फौज भी पार्टी की हार को जीत में बदलने में नाकाम रही। भाजपा की तेजतर्रार सांसद मीनाक्षी लेखी, रमेश विधुडी, हंसराज हंस व बड़बोले नेता प्रवेश वर्मा के संसदीय क्षेत्र में पार्टी की करारी शिकस्त हुई है। गौतम गंभीर, डॉ. हर्षवर्धन व मनोज तिवारी अपने-अपने क्षेत्रों में भाजपा की लाज बचाने में कुछ हद तक कामयाब रहे हैं। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष आदेश गुप्ता के पटेल नगर क्षेत्र की तीनों सीटों पर पार्टी प्रत्याशियों की करारी हार हुई है।

संसदीय क्षेत्र	सांसद	कुल सीटें	आप	बीजेपी	कांग्रेस	अन्य
दक्षिणी दिल्ली	रमेश विधुडी	37	23	13	01	00
उत्तर-पश्चिमी दिल्ली	हंसराज हंस	43	27	14	01	01
नई दिल्ली	मीनाक्षी लेखी	25	20	05	00	00
पूर्वी दिल्ली	गौतम गंभीर	36	11	22	03	00
उत्तर-पूर्वी दिल्ली	मनोज तिवारी	41	15	20	05	01
पश्चिमी दिल्ली	प्रवेश वर्मा	38	24	13	01	00
चांदनी चौक	डॉ. हर्षवर्धन	30	14	16	00	00

नोट: संबंधित क्षेत्रों से मिले रूझान

अच्छे होंगे पांच साल : केजरीवाल

एमसीडी चुनाव में जीत से उत्साहित दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने जीत का श्रेय दिल्ली की जनता को दिया है। उन्होंने कहा है कि अब दिल्लीवासियों के लिए अच्छे होंगे पांच साल। कहा कि यह जीत भ्रष्टाचार पर ईमानदारी की है। दिल्ली की जनता ने साबित किया है कि उसे ईमानदार सरकार और ईमानदार नेता विकास के लिए चाहिए न कि भ्रष्टाचारी भाजपा और कांग्रेस। उधर, आप के वरिष्ठ नेता सांसद संजय सिंह ने कहा है कि अब दिल्ली में जनता ने भ्रष्टाचारियों का राज समाप्त कर दिया है। उनकी पहली प्राथमिकता दिल्ली को गंदगी से निजात दिलाने की होगी। आप के राजसभा सांसद राघव चड्डा ने जनता को जीत की बधाई देते हुए कहा कि भाजपा को ईडी, सीबीआई व इनकम टैक्स भी दिल्ली में जीत नहीं दिला सकी है। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एमसीडी चुनाव की जीत को बदलाव का संकेत बताया है।

निर्वाचन आयोग के फाइनल नतीजे

पार्टी	जीती सीटें
आम आदमी पार्टी	134
भारतीय जनता पार्टी	104
अखिल भारतीय कांग्रेस	09
अन्य	03

भाजपा सत्ता में रही तो छीन लेगी वोट देने का अधिकार : अखिलेश

» सपा प्रमुख ने कहा- पार्टी सिंबल पर लड़ेगी नगर निकाय चुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ रामपुर और मैनपुरी में उपचुनाव संपन्न होने के बाद अब सभी राजनीतिक पार्टियां प्रदेश में होने वाले नगर निकाय चुनाव पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। इसी क्रम में कन्नौज में समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने यह साफ किया कि नगर निगम, नगर पालिका और नगर पंचायत के चुनाव समाजवादी पार्टी अपने सिंबल पर लड़ेगी। साइकिल चिह्न से प्रत्याशी अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

रामपुर व मैनपुरी में हुए उपचुनाव पर पार्टी प्रमुख ने कहा कि कहा कि पुलिस-प्रशासन ने मतदाताओं को निकलने ही नहीं दिया। अखिलेश भाजपा पर हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा यदि सत्ता में और रही, तो वोट डालने का भी अधिकार छीन लेगी। इस दौरान सपा प्रमुख ने आगे कहा कि बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर ने जो एक वोट का अधिकार दिया था, अगर भारतीय जनता पार्टी रही तो वह भी छीन लेगी। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि जो संविधान डॉ. आंबेडकर ने दिया और सिद्धांत राममनोहर लोहिया ने दिया, उनको बनाए रखने के लिए सभी लोग एकजुट होकर भाजपा को हटाने में लग जाएं। भाजपा धोखा, साजिश, फरेब, झूठ बोलती है। उन्होंने कहा कि रामपुर चुनाव में ये देखा भी गया कि लोगों को वोट डालने के लिए घर से नहीं निकलने दिया गया। लोकतंत्र में चुनाव आयोग का काम अधिक से अधिक वोट प्रतिशत पर होता है, लेकिन इस बारे में जब हमने शिकायत की, तो कोई सुनवाई नहीं हुई।

प्रत्याशी जल्द भेजें प्रस्ताव

नगर निकाय चुनाव के बारे में सपा मुखिया ने कहा कि अब प्रदेश के सभी नगर निगम, नगर पालिका व नगर पंचायतों का आरक्षण आ गया है, सभी जिलों में पार्टी की कमेटियां व इकाइयां बनीं हैं। समाजवादी पार्टी जो प्रत्याशी चुनाव लड़ना चाहते हैं वो समय रहते जल्दी से जल्दी अपने प्रस्ताव भेजें। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर तंज कसते हुए कहा कि जहां-जहां भाजपा के मेयर व चेयरमैन हैं, वहां गंदगी देखने को मिलती है। डेंगू भी वहीं फैला है। निकाय चुनाव के लिए सपा पूरी तरह से तैयार है। चुनाव में अच्छा प्रदर्शन होगा। उन्होंने कहा कि कन्नौज में भी गंगाजी में नालों का पानी जाता है। सीवरेज सिस्टम सही नहीं है।

अतुल शर्मा को पीलीभीत व वृंदा शुक्ला को चित्रकूट जनपद की मिली कमान

» छह आईपीएस अधिकारियों के तबादले

» जुगल किशोर बनें डीआईजी फायर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक बार प्रशासनिक फेरबदल किया गया है। मंगलवार देर रात शासन ने पत्र जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से 6 आईपीएस अधिकारियों को नवीन तैनाती पर कार्यभार संभालने का आदेश दिया है। इस लिस्ट में 2 आईजी और 4 एसपी स्तर के अफसर शामिल हैं। आईपीएस जुगल किशोर पुलिस उपमहानिरीक्षक फायर लखनऊ बनाया गया है। वहीं, आकाश कुलहरि को अतिरिक्त पुलिस कमिश्नर प्रयागराज बनाया गया है।

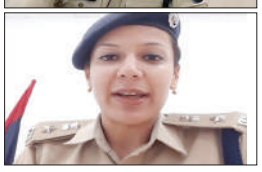

दिनेश कुमार पी को एसपी पीलीभीत से डीसीपी गाजियाबाद बनाया गया, अतुल शर्मा एसपी चित्रकूट को पीलीभीत का नया एसपी बनाया गया है। इसके अलावा वृंदा शुक्ला को गौतमबुद्ध नगर कमिश्नरेट से चित्रकूट की एसपी बनाई गई हैं। अष्टभुजा प्रसाद सिंह को यातायात निदेशालय से एसपी जीआरपी प्रयागराज बनाया गया है।

महाराष्ट्र में नामर्दों की सरकार, दिल्ली के चरणों में नतमस्तक : संजय राउत

» कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद पर शिंदे-फडणवीस पर जमकर बरसे राउत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। शिवसेना के कद्दावर नेता और सांसद संजय राउत ने कर्नाटक-महाराष्ट्र सीमा विवाद के मुद्दे पर जमकर राज्य की शिंदे-फडणवीस सरकार पर निशाना साधा है। राउत ने कहा कि यह नामर्दों की सरकार है, जो हर बात के लिए दिल्ली के चरणों में नतमस्तक होते हैं। ऐसी सरकार जो अपनी मिट्टी की, अपने लोगों की और अपनी अस्मिता की रक्षा नहीं कर सकती उसे सत्ता के सिंहासन पर एक पल भी बैठने का अधिकार नहीं है।

उन्होंने कहा कि पचास सालों में ऐसी लाचार और डरपोक सरकार नहीं देखी है। संजय राउत ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री और उपमुख्यमंत्री दिल्ली में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मिलने की बात कह रहे हैं। क्या उन्हें नहीं पता है कि महाराष्ट्र में क्या चल रहा है। हमें यह बात नहीं भूलनी चहिए की केंद्र और कर्नाटक में बीजेपी की सरकार है। महाराष्ट्र में भी उन्हीं की सरकार है बावजूद इसके बीते 24 घंटों से सीमा भाग में मराठी भाषी लोगों पर हमले हो रहे हैं। इस बात का विरोध करने वाली महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यकर्ताओं को घर में घुसकर गिरफ्तार किया जा रहा है। आखिर महाराष्ट्र में सरकार है या नहीं। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे खुद को भाई समझते हैं अगर वह भाई हैं तो फिर किस मौके का इंतजार कर रहे हैं सीमा विवाद के इतने बड़े मौके पर वह भाईगिरी क्यों नहीं दिखाते हैं। केंद्र पर निशाना साधते हुए राउत ने कहा कि दो मंत्रियों ने सीमा भाग में जाने की बात कही थी, लेकिन ऐन वक्त पर वो अपनी बातों से मुकर गए और दौरा रद्द कर दिया। यह लोग खुद को स्वाभिमानी और मर्द कहते हैं असल में यह डरपोक लोग हैं।

सहायक अध्यापक नियुक्ति प्रकरण में योगी सरकार को झटका

हाईकोर्ट ने निरस्ती आदेश को किया खारिज

» बेसिक शिक्षा विभाग को अभ्यर्थियों के मामलों में पुनः विचार करने का आदेश दिया गया

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खण्डपीठ ने ऑनलाइन अप्लीकेशन फॉर्म में शिक्षामित्र सम्बन्धी त्रुटिपूर्ण जानकारी देने के कारण सहायक अध्यापक के पदों पर नियुक्त किए गए, अभ्यर्थियों की नियुक्त व कुछ अभ्यर्थियों के उम्मीदवारी के आदेश को निरस्त करने के राज्य सरकार के आदेश को खारिज कर दिया है। साथ ही साथ न्यायालय ने अभ्यर्थियों द्वारा राज्य सरकार के वसूली के आदेश को भी खारिज कर दिया है। न्यायालय द्वारा बेसिक शिक्षा विभाग को अभ्यर्थियों के मामलों पर पुनः विचार करने का आदेश दिया है।

यह आदेश न्यायमूर्ति ओम प्रकाश शुक्ला की एकल पीठ ने विजय गुप्ता व अन्य अभ्यर्थियों की ओर से दाखिल दर्जनों याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए पारित किया। याचियों द्वारा न्यायालय को बताया गया कि सहायक अध्यापक परीक्षा 2019 में उनका चयन हुआ था, परंतु बाद में ऑनलाइन एप्लीकेशन फॉर्म में गलत जानकारी भरने के आधार पर उनका चयन व उम्मीदवारी निरस्त करते हुए, वसूली का आदेश दिया गया था। याचियों की ओर से न्यायालय को यह भी बताया गया कि निरस्तीकरण का आदेश पारित करने से पूर्व विभाग को सर्वोच्च न्यायालय द्वारा दिए गए निर्णयों के आलोक में यह देखना चाहिए था कि तथाकथित गलत जानकारी से अभ्यर्थी को कोई लाभ हो रहा था अथवा नहीं। कहा गया कि इस तथ्य को देखे बिना मात्र त्रुटिपूर्ण एप्लीकेशन फॉर्म भरे जाने के आधार पर उनकी नियुक्ति निरस्त कर दी गई। न्यायालय ने भी सर्वोच्च न्यायालय के दो निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि यदि गलत जानकारी मात्र त्रुटिवश भर दी गई है और इससे अभ्यर्थी को कोई लाभ नहीं हो रहा तो उसकी उम्मीदवारी को निरस्त नहीं किया जाना चाहिए। न्यायालय ने यह टिप्पणी करते हुए, आदेश दिया है कि अभ्यर्थियों के मामलों पर आठ सप्ताह में पुनः विचार कर निर्णय लिया जाए, साथ ही वसूली आदेश पर भी रोक लगा दी है।

छुट्टा जानवरों के झुंड से बाल बाल बच गए बीजेपी विधायक

» एनएच-28 पर देवरिया से विधायक जय प्रताप के काफिले के सामने आए छुट्टा जानवर

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

बस्ती। राज्य में छुट्टा जानवरों से हो रहे हादसे रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं। आए दिन आवारा जानवरों से लोगों को गम्भीर चोटे लगने और लोगों के जान गवाने की खबरे आती रहती है। योगी सरकार छुट्टा पशुओं के इंतजाम के बड़े दावे कर रही हैं लेकिन इसके बावजूद सड़कों से इनकी संख्या कम नहीं हो रही है। हाल यह है कि छुट्टा पशु नेशनल हाईवे पर भी घूमते नजर आ जायेंगे, जिनसे आए दिन एक्सीडेंट की घटनाएं सामने आ रही है।

बताया जाता कि यूपी के बस्ती जिले के छावनी थाना के एनएच-28 पर देवरिया के विधायक जय प्रताप निषाद गोरखपुर से लखनऊ जा रहे थे तभी आवारा सांड का शिकार हो गए। देवरिया जिले के रुद्रपुर विधानसभा से बीजेपी विधायक जय प्रताप निषाद के काफिले के आगे अचानक छुट्टा पशुओं का झुंड आ गया और विधायक तेज रफ्तार गाड़ी पशुओं के झुंड से टकरा कर पलट गई। गनीमत रही कि विधायक जी बाल-बाल बच गए। उन्हें हल्की फुल्की चोट आई। हालांकि गाड़ी काफी डैमेज हो गई। स्थानीय लोगों ने किसी तरह विधायक जी और उनकी सुरक्षा में तैनात पुलिस कर्मियों को रेस्क्यू कर गाड़ी से बाहर निकाला। विधायक जी को ग्रामीणों ने खाट पर बिठाया और थोड़ी देर आराम करने के बाद विधायक जी लखनऊ के लिए दूसरी गाड़ी से रवाना किया।

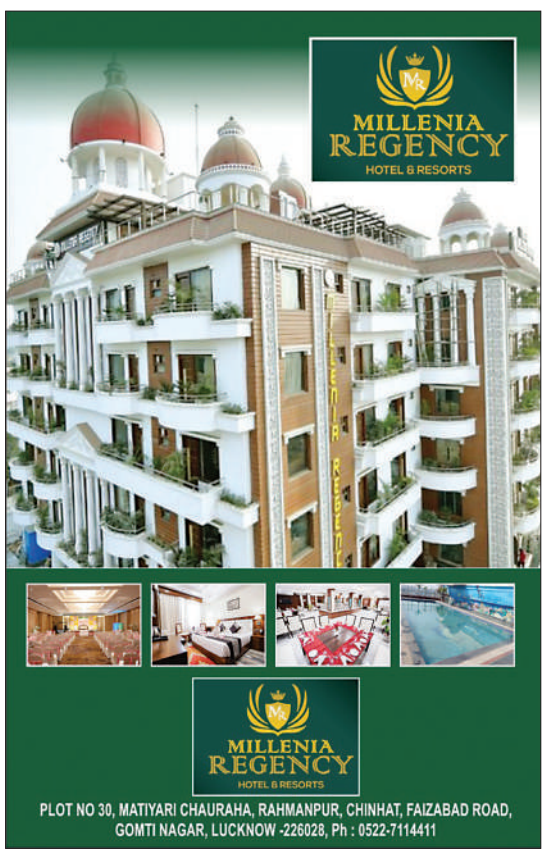

लखनऊ : मेयर का टिकट पाने को घमासान मचना तय!

» भाजपा, सपा और कांग्रेस से सामने आ रहे कई नाम

» इस बार अनारक्षित है लखनऊ नगर निगम सीट

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। नगर निकाय चुनाव के लिए सभी सीटों पर आरक्षण जारी होने के बाद प्रत्याशियों के मैदान में उतरने का सिलसिला शुरू हो चुका है। इसके लिए अब इच्छुक कैंडिडेट अलग-अलग राजनीतिक दलों से सम्पर्क कर रहे हैं और अपने-अपने टिकट की मांग कर रहे हैं। इस लिस्ट में अब लखनऊ नगर निगम की सीट सबसे प्रमुख बन जाती है। लखनऊ नगर निगम की सीट अनारक्षित होने के बाद अब इस सीट पर महापौर बनने के लिए टिकट मांगने वाले प्रत्याशियों की लंबी कतार लग गई है। हालांकि, अभी तक किसी भी दल ने अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, लेकिन दावेदारों के बीच घमासान होना तय है।

पिछले चुनाव में आरक्षण महिला था और तब 19 महिलाओं ने इलेक्शन लड़ा था। सीट महिला होने से पिछले चुनाव में प्रमुख पार्टियों के जो दावेदार शांत हो गए थे, वे भी इस बार टिकट के लिए खुलकर दावेदारी करेंगे। महापौर पद के आरक्षण की घोषणा होते हुए दावेदार सक्रिय हो गए हैं। महापौर पद के लिए भाजपा, सपा और कांग्रेस में सबसे अधिक टिकट की दावेदारी भाजपा में है। इसकी प्रमुख वजह ये है कि केंद्र से लेकर राज्य तक में सत्ता पर काबिज भाजपा का इस सीट पर भी पिछले 15 सालों से लगातार कब्जा जमा हुआ है। 110 वार्डों में सबसे अधिक पार्षद भी इसी पार्टी के ही जीतते आ रहे हैं। पिछला रिकॉर्ड देखें तो भाजपा के स्वर्गीय डॉ. एससी राय और डॉ. दिनेश शर्मा लगातार दो बार महापौर रहे। पिछली बार सीट महिला होने पर पार्टी ने संयुक्ता भाटिया को लड़ाया था, जो जीती भी थीं। सपा ने मीरा वर्धन, कांग्रेस ने प्रेमा अवस्थी और बसपा ने बुलबुल गोदियाल को इनके खिलाफ चुनाव लड़ाया था। अब इस बार मौजूदा महापौर संयुक्ता भाटिया समेत कई नाम भाजपा की तरफ से अपनी दावेदारी ठोक रहे हैं और टिकट की मांग कर रहे हैं। सिर्फ भाजपा ही नहीं सपा और कांग्रेस की तरफ से भी टिकट के लिए कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। जानते हैं किस पार्टी से कितने दावेदार ठोक रहे हैं ताल।

कांग्रेस में भी कई जता रहे दावेदारी

उत्तर प्रदेश में हाशिये पर चल रही कांग्रेस की तरफ से भी कई दावेदार सामने आ रहे हैं। इनमें गिरीश मिश्रा, हाल ही में पार्टी में शामिल हुए बड़े कारोबारी राजेश कुमार जायसवाल, प्रदेश कांग्रेस कमेटी में कोषाध्यक्ष शिव पांडेय, महासचिव प्रदेश कांग्रेस महासचिव आरपी सिंह, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व कोषाध्यक्ष मो. नईम का नाम प्रमुख रूप से सामने आ रहा है।

भाजपा में महापौर के सबसे अधिक दावेदार

यहां सबसे ज्यादा दावेदारों की संख्या भारतीय जनता पार्टी की तरफ से आ रही है। भाजपा के दावेदारों में मौजूदा महापौर संयुक्ता भाटिया सबसे मजबूत दावेदार के रूप में सामने आ रही हैं। वह दोबारा चुनाव लड़ने की बात भी खुलकर कर चुकी हैं। इसके अलावा राजधानी के सांसद प्रतिनिधि व पूर्व आईएएस अधिकारी दिवाकर त्रिपाठी का नाम पिछली बार भी आरक्षण जारी होने से पहले उछला था। इस बार फिर उनके नाम को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। दिलचस्प यह है कि उनके भाई और यूपी रिमोट सेंसिंग एप्लीकेशन सेंटर के चेयरमैन सुधाकर त्रिपाठी का भी नाम राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद चर्चा में है। इनके अलावा कैंट क्षेत्र के पूर्व विधायक सुरेश तिवारी, पूर्व पार्षद गोविंद पांडेय, मध्य विधानसभा क्षेत्र से इसी साल चुनाव लड़ने वाले पार्षद रजनीश गुप्ता, पूर्व एमएलसी स्वर्गीय राघवराम मिश्रा के पुत्र सुनील मिश्रा भी दावेदारी कर रहे हैं। साथ ही चार बार पार्षद रहे हरशरण लाल गुप्ता भी

दावेदारी कर रहे हैं। रियल एस्टेट कारोबारी और पूर्व मेयर अखिलेश दास के बेटे विराज सागर दास के भी भाजपा से चुनाव लड़ने की चर्चा गर्म है।

सपा ने उम्मीदवारों को तीन श्रेणी में बांटा

जपा के अलावा समाजवादी पार्टी की तरफ से कई दावेदारों के नाम सामने आ रहे हैं। आरक्षण तय होने से पहले सपा ने प्रत्याशियों को सामान्य वर्ग, ओबीसी और अनुसूचित जाति के रूप में तीन श्रेणियों में बांट रखा था। इनमें इन तीनों वर्गों से आने वाले नेताओं के नाम शामिल थे। सामान्य वर्ग में निवर्तमान नगर अध्यक्ष सुशील दीक्षित का नाम था। विधानसभा चुनाव में कैंट सीट से टिकट न मिल पाने के बाद अब उन्होंने मेयर पद के लिए नाम रखा है। पिछली बार मेयर पद की प्रत्याशी रहीं मीरा वर्धन फिर से दावेदारी ठोक रही हैं। तीसरा नाम पार्टी की महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष जूही सिंह का है। यहां जूही यादव का दावा मजबूत भी नजर आता है। उसकी एक प्रमुख वजह कि वो महिला मोर्चा की राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं, साथ ही वो अगर भाजपा की तरफ से संयुक्ता भाटिया कैंडिडेट होती हैं, तो महिला के मुकाबले महिला वाला कार्ड भी सपा खेल सकती है। इसके अलावा जूही सिंह की सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी

डिंपल यादव से नजदीकी और पार्टी में सक्रियता के चलते भी उनका दावा मजबूत है। नवीन धवन बंटी भी टिकट मांग रहे हैं। अन्य पिछड़ा वर्ग की श्रेणी में राष्ट्रीय प्रवक्ता डॉ. आशुतोष वर्मा के साथ प्रमोद चौधरी के नाम चल रहे हैं। अनुसूचित जाति वर्ग में शिल्पी चौधरी का नाम मजबूती है। उधर, प्रसपा के प्रदेश महासचिव अजय त्रिपाठी मुन्ना भी मेयर पद के लिए राजधानी में सक्रिय दिख रहे हैं।

कार्डियक अरेस्ट बन रहा जानलेवा

» पिछले कुछ महीनों में सामने आए हैं कई चौंकाने वाले मामले

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। पिछले कुछ महीनों से देश में मौत का दूसरा नाम 'हार्ट अटैक' बन गया है। दिल की धोखेबाजी इस कदर बढ़ी है कि पिछले कुछ महीनों से हार्ट अटैक के मामलों में काफी तेजी से बढ़ोत्तरी देखी गई है। कई ऐसी घटनाएं सामने आईं, जिन पर यकीन कर पाना मुश्किल हो रहा था। कहीं डांस करते-करते किसी को हार्ट अटैक आ रहा है, तो कहीं क्रिकेट खेलते-खेलते, कहीं प्लेटफॉर्म पर बैठे हुए, तो कहीं किसी लीला में हनुमान या भगवान शिव का किरदार निभाते हुए अचानक लोगों को हार्ट अटैक आ रहा है और वो मौत का शिकार हो रहे हैं। इतना ही नहीं अभी हाल ही में एक मामला राजधानी लखनऊ का ही सामने आया था, जहां शादी के स्टेज पर वरमाला पहनाते वक्त ही दुल्हन गिर पड़ी और हार्ट अटैक से उसकी देखते-देखते पल भर ही मौत हो गई।

लगातार सामने आ रहे ऐसे मामलों को देखते हुए अब लोगों में काफी घबराहट है और लोग इन घटनाओं को लेकर परेशान हो रहे हैं। मौत की ऐसी अनिश्चितता देख हर किसी के मन में यही सवाल उठ रहा है कि आखिर ऐसा क्यों हो रहा है? इसके पीछे क्या वजह है? क्या कोरोना बीमारी ने लोगों के दिल को कमजोर किया है या फिर कोरोना की वैक्सीन इस तरह की दर्दनाक घटनाओं के लिए जिम्मेदार है? सरकारें भी इन चीजों पर चुप है, जबकि मामला इतना गंभीर हो चुका है कि लोग अब इससे डरने लगे हैं।

क्या होता है सडन कार्डियक अरेस्ट

अब यहां बताते हैं कि क्या होता है सडन कार्डियक अरेस्ट? एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सडन कार्डियक अरेस्ट के दौरान व्यक्ति का हार्ट ब्लड को पंप करना बंद कर देता है और हार्ट स्टैंड स्टिल पोजीशन में चला जाता है। इससे ब्रेन व शरीर के अन्य हिस्सों में खून की सप्लाई रुक जाती है और व्यक्ति अचानक बेहोश होकर गिर जाता है। इस दौरान हार्टबीट अबनॉर्मल हो जाती है। नॉर्मल हार्ट बीट 60-90 बीपीएम होती है, जो कार्डियक अरेस्ट में 250-350 बीपीएम तक हो जाती है। कार्डियक अरेस्ट के बाद कुछ ही मिनट में इलाज न मिले तो व्यक्ति की मौत हो जाती है।

आखिर क्यों बढ़ रहे कार्डियक अरेस्ट के मामले

एक्सपर्ट्स की मानें तो आजकल के युवाओं की अनियमित लाइफस्टाइल, गलत खान-पान और स्मोकिंग की लत कार्डियक अरेस्ट की प्रमुख वजह बन रहा है। विशेषज्ञों की मानें तो, आज के दौर में स्ट्रेस हार्ट हेल्थ के लिए सबसे बड़ा रिस्क फैक्टर बनता जा रहा है। ज्यादा स्ट्रेस की वजह से शरीर में कुछ ऐसे हार्मोन रिलीज होते हैं, जो हमारे हार्ट को नुकसान पहुंचाते हैं।

कई हस्तियों की भी गई जान

ऐसा नहीं है कि अचानक हार्ट अटैक आने से सिर्फ आम लोगों की ही जान जा रही है, बल्कि पिछले कुछ महीनों में कई हस्तियों ने भी अचानक से हुए हार्ट अटैक की वजह से अपनी जान गंवाई है। मशहूर कॉमेडियन राजू श्रीवास्तव की मौत की वजह भी हार्ट अटैक ही था। इसके अलावा सिंगर केके की भी एक कॉन्सर्ट के दौरान गाना गाते वक्त अचानक हार्ट अटैक से मौत हो गई थी। कन्नड़ अभिनेता पुनीत राजकुमार की भी हार्ट अटैक से जान चली गई। इसके अलावा बंगाली ऐक्ट्रेस एड्रिला शर्मा सिर्फ 24 साल की थी, हार्ट अटैक से उनकी भी मौत हो गई। टीवी ऐक्टर सिद्धांत सूर्यवंशी, महाराष्ट्र के विधायक रमेश लटके, टीवी ऐक्टर दीपेश भान जैसे बड़े नाम भी दिल की इस अचानक धोखेबाजी से काल के गाल में समा गए।

हार्ट अटैक नहीं, कार्डियक अरेस्ट ले रहा जान

इस तरह अचानक हो रही मौतों के बारे में कई कार्डियोलॉजिस्ट व एक्सपर्ट की भी इस विषय में अलग-अलग राय है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि हार्ट अटैक की वजह से अचानक मौत नहीं होती है। हार्ट अटैक आने के बाद जल्द इलाज हो जाए, तो अधिकतर मामलों में लोगों की जान बच जाती है। एक्सपर्ट का कहना है कि आजकल नाचते-गाते और एक्सरसाइज करते वक्त हो रही मौत की वजह सडन कार्डियक अरेस्ट हो सकता है। कार्डियक अरेस्ट अचानक होता है और कुछ ही मिनट में व्यक्ति जान गंवा देता है। इसमें पहले से लक्षण भी नजर नहीं आते। वहीं हार्ट अटैक आने से पहले व्यक्ति के सीने में तेज दर्द होने लगता है। इसके अलावा भी हार्ट अटैक आने पर कुछ लक्षण नजर आते हैं, जबकि कार्डियक अरेस्ट में सब कुछ अचानक होता है।

क्या कोविड भी है एक वजह?

एक्सपर्ट्स के मुताबिक, कोविड-19 के बाद लोगों की कोरोनरी आर्टरीज में क्लॉट फॉर्मेशन के मामले बढ़े हैं, जिससे सडन कार्डियक अरेस्ट और अन्य हार्ट डिजीज का खतरा काफी बढ़ गया है। एक शोध के मुकाबिक, जिन लोगों को कोविड संक्रमण के चलते अस्पताल में भर्ती कराया जाता है, उनमें दिल की धड़कनें रुकने की संभावना 21 गुना और स्ट्रोक आने की संभावना 17 गुना ज्यादा होती है। उनमें एट्रियल फाइब्रिलेशन (अनियमित हृदय) और पेरीकार्डिटिस (हृदय की सूजन) और हार्ट अटैक की भी संभावना अधिक होती है। निष्कर्ष बताते हैं कि हृदय रोग और मौत का सबसे बड़ा जोखिम संक्रमण के पहले 30 दिनों के भीतर होता है लेकिन बाद में भी कुछ समय के लिए इसका खतरा रहता है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma
editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

इस मतदान का संदेश

सवाल है भारत में जहां चुनावों को लोकतंत्र का उत्सव कहा जाता है वहां मतदान में रुचि कम क्यों होने लगी है? गुजरात में प्रथम चरण के लिए 63.14 फीसदी मतदान हुआ जो 2017 में 68 फीसदी था यानी इस बार करीब 5 फीसदी कम रहा। सवाल है ऐसा क्यों होता है? दरअसल राजनीतिक दल कभी प्रत्याशियों के चयन में जनता की राय जानने की ईमानदार कोशिश करते ही नहीं।

गिरता मतदान प्रतिशत लोकतंत्र के लिए कितना खतरनाक? गुजरात के मतदान के आंकड़ो ने एक बार फिर इस सवाल को जन्म दिया है। गुजरात विधानसभा के दो चरणों में हुए चुनावों में कुल 64.33 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया है। यह पिछले दस साल में प्रदेश के विधानसभा चुनावों में सबसे कम वोटिंग प्रतिशत है। देखा जाए तो ऐसा चुनाव दर चुनाव हो रहा है। जबकि चुनाव आयोग और सरकार की पिछले कई वर्षों से ये लगातार कोशिशें जारी हैं कि वोट प्रतिशत को बढ़ाया जाए। लेकिन तमाम कोशिशों व प्रचार के बाद भी वोट प्रतिशत बढ़ने की बजाय घट रहा है। असल में लोकतांत्रिक व्यवस्था में प्रत्येक मतदाता का लोकतंत्र में भागीदारी करना बड़ा महत्तवपूर्ण माना जाता है और वोट प्रतिशत में बढ़ोत्तरी किसी स्वस्थ लोकतांत्रिक व्यवस्था की निशानी है। सवाल है भारत में जहां चुनावों को लोकतंत्र का उत्सव कहा जाता है वहां मतदान में रुचि कम क्यों होने लगी है? गुजरात में प्रथम चरण के लिए 63.14 फीसदी मतदान हुआ जो 2017 में 68 फीसदी था यानी इस बार करीब 5 फीसदी कम रहा।

सवाल है ऐसा क्यों होता है? दरअसल राजनीतिक दल कभी प्रत्याशियों के चयन में जनता की राय जानने की ईमानदार कोशिश करते ही नहीं। तब जातिवाद, धनबल, बाहुबल और भाई भतीजावाद की बिना पर टिकट मिले उम्मीदवारों में जनता रुचि क्यों ले? खास गुजरात चुनाव की ही बात करें तो बीजेपी, कांग्रेस और आम आदमी पार्टी तीनों ही दलों ने अथक प्रयास किये हैं कि मतदाता घरों से बाहर निकलें, परंतु वे आशानुरूप नहीं निकले। फिर भी मतदान का प्रतिशत साठ के आसपास रुक जाए और उसमें नोटा के मत भी शामिल हैं, तो जो चुना जाएगा उसे प्रतिनिधि कैसे मान लिया जाए? पुरानी कहावत थी जैसा राजा तैसी प्रजा, लेकिन आज के जमाने में जैसी प्रजा तैसा राजा होता है। इसलिए राजा या नेता चुनने वाले ही यदि उदासीन हैं तब सत्ता कैसी होगी ये आसानी से समझा जा सकता है। मतदान प्रतिशत को बढ़ाकर ही सही मायने में लोकतंत्र को मजबूत किया जा सकता है। प्रजातंत्र की मजबूती का दायित्व प्रत्येक मतदाता को समझना होगा। मतदान केंद्र तक का सफर करने में होने वाली गर्व की अनुभूति का अहसास लेना चाहिए। जब आप अपना वोट डालते हैं तो यह भावना आती है कि वह भी इस देश के लोकतंत्र में अहम योगदान अदा कर रहे हैं। ऐसे में नागरिकों को यह समझना होगा कि लोकतंत्र में सहभागिता के बिना न तो उनका भला होगा और न ही लोकतंत्र का। नागरिकों को अपनी जिम्मेदारी समझते हुये लोकतंत्र के महापर्व में अपनी सहभागिता को बढ़ाना होगा। असल में जब लोकतंत्र में नागरिकों की सहभागिता बढ़ेगी तभी एक स्वस्थ, सुंदर और सुदृढ़ लोकतंत्र की स्थापना कर सकेंगे।

संजय

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

बाबासाहब आंबेडकर का अप्रतिम संघर्ष

कृष्ण प्रताप सिंह

14 अप्रैल, 1891 को महाराष्ट्र के रत्नागिरि जिले के अम्बाबडे गांव के एक महार परिवार में जन्मे बाबासाहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के जीवन और संघर्ष को समझने के लिए यह जानना जरूरी है कि उन दिनों जाति व्यवस्था के अनेक अनर्थ झेलने को अभिशप्त और अस्पृश्य मानी जाने वाली उनकी जाति की उनसे पहले की पृष्ठभूमि में शिक्षा-दीक्षा की जगह नहीं थी। शिक्षा व्यवस्था पर सवर्णों का आधिपत्य था और शिक्षा संस्थाओं में अस्पृश्यों का प्रवेश निषिद्ध। अस्पृश्यों के अवर्ण बच्चे सवर्ण बच्चों के साथ कक्षा से बाहर भी बैठ या खेल नहीं सकते थे।

बाबासाहब के पिता रामजी राव अंग्रेजी सेना में सूबेदार थे। बाबा भालोजी राव और उनके पिता भी सेना में ही कार्यरत रहे थे। परिवार की इस सैनिक पृष्ठभूमि के पीछे दो बड़े कारण थे। पहला यह कि अस्पृश्य करार दिये जाने के बावजूद महार जाति को बहादुर और लड़ाकू माना जाता था। इसलिए अंग्रेजों की ही नहीं, मुगलों व पेशवाओं की सेनाओं में भी उनकी बहुतायत थी। इसका दूसरा पहलू यह था कि उसके युवक बिना किसी प्रतिबद्धता के प्राय: सारी तत्कालीन सेनाओं के लिए उपलब्ध थे और स्वामिभक्ति के अपने खास गुण के लिए प्रशंसा पाते थे। वे जिन गांवों में रहते, उनकी सुरक्षा का दायित्व भी निभाते थे और इसे लेकर कृतज्ञ ग्रामवासी उनकी वीरता के किस्से भी सुनाया करते थे।

दूसरा कारण यह कि रोजी-रोजगार के अन्य क्षेत्रों में उन पर लागू बंदिशें उनकी नाक में इतना दम किये रखती थीं कि उन्हें सेनाओं में, वे किसी की भी क्यों न हों, भर्ती होकर कठिन सैनिक अभ्यास से गुजरना और वक्त आ पड़े तो मरना-मारना अपेक्षाकृत आसान लगता था। बाबासाहब अपने पिता रामजी राव और माता भीमाबाई की चौदहवीं और अंतिम संतान थे। चूंकि उन दिनों बच्चों की कई जानलेवा बीमारियों के निदान का कोई उपाय नहीं था और वे प्राय: अकाल मौत के लिए अभिशप्त थे, इसलिए अशिक्षा व असुरक्षा के शिकार दंपत्ति संतानें पैदा करते जाते थे। बाबासाहब के भी चौदह भाई-बहनों में से पांच ही बच पाये।

बचपन में बाबासाहब ने एक दिन कुछ बच्चों को पढ़ने जाते देखकर अपने माता-पिता से आग्रह किया कि वे उन्हें भी पढ़ने भेजें, तो बड़ी समस्या खड़ी हो गयी। पिता उन्हें जिस भी विद्यालय में ले जाते, वह महार होने के कारण उन्हें प्रवेश देने से मना कर देता। जैसे-तैसे सतारा के एक विद्यालय में उन्हें प्रवेश मिला भी, तो वहां उनके बालमन को कई शारीरिक

व मानसिक प्रताड़नाओं से गुजरना पड़ा। उन्हें महज लंगोटी पहनकर और अपने बैठने के लिए अलग टाटपट्टी लेकर विद्यालय जाना पड़ता और जब तक अध्यापक न आ जाते, कक्षा के बाहर खड़े रहना पड़ता। अध्यापक के आने पर भी कक्षा में सारे बच्चों से अलग और सबसे पीछे बैठना पड़ता था। वहां से वे श्यामपट्टी भी ठीक से नहीं देख पाते थे। इतना ही नहीं, वे स्वयं अपनी मर्जी से विद्यालय के जल स्रोतों का इस्तेमाल नहीं कर सकते थे और बार-बार याचना के बावजूद कोई उन्हें ऊपर से भी पानी नहीं पिलाता था, इसलिए कई बार वे विद्यालय में प्यासे रह जाते थे। उनके बाल बढ़ जाते, तो कोई नाई उन्हें काटने को तैयार नहीं होता था। तब उनकी बहन उनके बाल काटकर उन्हें विद्यालय भेजा करती थी। एक बार उन्हें अपने एक भाई के साथ अपने पिता से मिलने जाना हुआ, तो वे मुंहमांगे किराये पर एक बैलगाड़ी में बैठे। लेकिन जैसे ही गाड़ी वाले को पता चला कि वे दोनों महार जाति के हैं, वह आपे से बाहर होकर उन पर बरस पड़ा। इसके बाद वह उन्हें मंजिल तक पहुंचा देता, तो भी गनीमत थी, लेकिन उसने बीच रास्ते उन्हें उतारकर दम लिया। बाबासाहब ने बढ़ा हुआ किराया देने का प्रस्ताव किया, तो भी वह टस से मस नहीं हुआ। बाद में बाबासाहब का परिवार बंबई आ गया, तो उन्हें उम्मीद थी कि वहां के अपेक्षाकृत उदार नगरीय वातावरण में उन्हें सामाजिक भेदभावों से छुटकारा मिल जायेगा। लेकिन उन्हें छुटकारा तो क्या, ठीक-ठाक राहत भी हाथ नहीं आयी। एक दिन विद्यालय में अध्यापक ने उनसे श्यामपट्ट पर कुछ लिखने को कहा, तो जैसे ही वे उठकर जाने को हुए, सवर्ण छात्र श्यामपट्ट के पास रखे अपने टिफिन करियर हटाने दौड़ पड़े ताकि वे बाबासाहब से छूकर अपवित्र न हो जायें।

ऐसे में सहज ही कल्पना की जा सकती है कि बाबासाहब ने अपनी राहों के कांटे बुहारकर उच्च शिक्षा ग्रहण करने से लेकर असामाजिक समाज व्यवस्था को बदलने के लिए समाज सुधार कार्यक्रमों के नेतृत्व और संविधान निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने तक की अपनी यात्रा कैसे दृढ़ संकल्प से संभव की होगी।

नैतिक पुलिस भंग करना ईरान का सही कदम

डॉ एमजे खान

ईरान में लगभग तीन महीने से चल रहे विरोध प्रदर्शनों के बाद सरकार की ओर से कहा गया है कि नैतिक पुलिस, जिसे 'गश्ते-इरशाद' के नाम से जाना जाता है, को भंग कर दिया गया है। ईरानी न्यायपालिका से संबंधित वरिष्ठ अधिकारी मोहम्मद जाफर मोंताजेरी ने यह घोषणा करते हुए यह भी स्पष्ट किया है कि इस नैतिक पुलिस बल का कोई संबंध न्यायपालिका से नहीं है। यह जगजाहिर तथ्य है कि दुनिया बड़ी तेजी से बदल रही है तथा सोशल मीडिया और तकनीक की वजह से हर जगह वैश्विक मूल्यों एवं आकांक्षाओं का प्रवेश हो रहा है। आज के युग में युवा वर्ग को नैतिकता से कहीं अधिक स्वतंत्रता की चाहत है। ऐसे में जोर-जबरदस्ती और पाबंदी कोई विकल्प नहीं हो सकते।

असल में, जब भी किसी चीज पर पाबंदी लगायी जाती है, तो उस के पक्ष में लामबंदी अधिक होने लगती है। अगर ईरान के शासन को किसी तरह का धार्मिक आचार-व्यवहार लागू करना है, तो उसे पहले बड़े पैमाने पर अपने प्रस्ताव के पक्ष में जनमत जुटाना चाहिए, लोगों को भरोसे में लेने का प्रयास करना चाहिए। जनता को उन आचरणों की अच्छाइयां बताकर मानसिक रूप से तैयार कराने की कोशिश होनी चाहिए। शिक्षित और जागरूक करने के लिए जो पहलें होनी चाहिए थीं, वह तो हुईं नहीं और सत्ता ने पुलिस का इस्तेमाल कर और दमन का डर दिखाकर सीधे जनता पर अपनी बातें थोप दीं। साल 2005 में महमूद अहमदीनिजाद ईरान के राष्ट्रपति निर्वाचित हुए थे। वे कट्टरपंथी विचारों के नेता हैं। उन्हीं के शासनकाल में इस नैतिक पुलिस का गठन हुआ था, जो पहनावे पर निगरानी रखती थी। अगर हिजाब या अन्य तरह के व्यवहारों के महत्व को मूल्यों के साथ जोड़कर लोगों को समझाया जाता तथा दमन और अत्याचार का सहारा नहीं लिया जाता, तो विरोध इस तरह तीव्र नहीं होता। एक तरफ पश्चिमी दुनिया पूरी तरह खुलेपन की ओर जा रही है, तो दूसरी तरफ अन्य संस्कृतियों के अपने पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक मूल्य हैं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के कई मूल्य इस्लामिक देशों के मूल्यों से मेल खाते हैं।

हमारे देश में भी खुलेपन की प्रक्रिया धीरे-धीरे चल रही है। चूंकि यह थोपा नहीं जा रहा है, तो उसके पक्ष या विपक्ष में कोई विरोध नहीं हो रहा है। कहने का अर्थ यह है कि दुनिया में हो रहे बदलावों के साथ सामंजस्य बिठाने की आवश्यकता है। आप इसे किस हद तक करना चाहते हैं, उस संबंध में आपको युवाओं को शिक्षित-प्रशिक्षित करना पड़ेगा। आप बल प्रयोग से उन्हें अपने हिसाब से संचालित नहीं कर सकते हैं। तो ईरान ने रास्ता अपनाया था, वह गलत था। मुझे लगता है कि अब उन्होंने जो निर्णय लिया है, वह समाज में स्त्रियों की बराबरी और आजादी के लिए बेहतर साबित होगा। पारिवारिक, सामाजिक और धार्मिक मूल्यों की रक्षा का दायित्व भी समाज पर होता है। ईरान को व्यापक शैक्षणिक अभियान चलाकर अपने आचार-व्यवहार की खूबियों तथा पश्चिमी संस्कृति की खामियों के बार में लोगों को बताना चाहिए। यह बेहतर तरीका हो सकता है। यदि ईरान ने दमन का रास्ता नहीं अपनाया होता, तो बीते दिनों के प्रदर्शनों में इतनी मौतें नहीं होतीं, अस्थिरता नहीं फैलती। खुद ईरानी सरकार के उच्च पदस्थ अधिकारी कह रहे हैं कि दो से तीन सौ के बीच मौतें हुई हैं। मुझे लगता है कि नैतिक पुलिस बल को भंग करने तथा हिजाब को अनिवार्य बनाने के कानून पर पुनर्विचार करने के सराहनीय निर्णयों के साथ-साथ ईरानी जनता, विशेषकर युवाओं और महिलाओं, में जो रोष है, सरकारी दमन से उन्हें जो पीड़ा हुई है, भावनाएं आहत हुई हैं, उन पर मरहम लगाने की तुरंत जरूरत है। मृतकों के परिजनों तथा घायलों को समुचित मुआवजा भी दिया जाना चाहिए। ईरान की अर्थव्यवस्था को भी इन प्रदर्शनों और सरकारी ज्यादती से बड़ा नुकसान हुआ है। उसकी भी जल्द भरपाई की कोशिशें होनी चाहिए क्योंकि पहले से ही ईरान अनेक परेशानियों का सामना कर रहा है। ईरान की सरकार चीन की तरह मीडिया और सोशल मीडिया पर पहरेदारी या पाबंदी तो नहीं लगा सकती है, तो उसे अपनी संस्कृति के हिसाब से अच्छे कंटेंट को बढ़ावा देना चाहिए। पश्चिमी सभ्यता में अच्छाई है, तो कमियां भी हैं। उन्हें पूरी तरह स्वीकार नहीं किया जा सकता है, लेकिन यह सब डंडे के जोर पर नहीं होना चाहिए। युवाओं के विरुद्ध दमन का इस्तेमाल और भी खतरनाक होता है क्योंकि वह उसे चुनौती मान लेता है। ईरान की सरकार को अब यह बात कुछ हद तक समझ आ गयी होगी। ईरान की सरकार को अत्यधिक खुलेपन और पाबंदियों के बीच का रास्ता निकालना होगा, जिसमें उदारता के मूल्य समाहित हों।

समूची मुस्लिम दुनिया में ईरान सबसे अधिक आधुनिक था और उसके बाद तुर्की का स्थान आता था। लेकिन एक बड़ा राजनीतिक परिवर्तन होने से एक व्यक्ति पूरे देश की संस्कृति को बदल देता है। यही ईरान में हुआ। डेढ़-दो दशकों से तुर्की भी कट्टरपंथ की राह पर चल पड़ा है। जिस तरह तुर्की में राष्ट्रपति एर्दोगन कट्टरपंथी विचारों और व्यवहारों को बढ़ावा दे रहे हैं, उसी तरह ईरान में महमूद अहमदीनिजाद के सत्ता में आने के बाद बहुत तरह की चरमपंथी पाबंदियां ईरान में लागू हुईं। वहां के युवा प्रतिभाशाली हैं, कार्यबल और शिक्षा में महिलाओं की बड़ी संख्या है तथा वे पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर आगे बढ़ रही हैं। अब जब वे समाज और अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं, तो उन पर डंडा चलाना किसी भी तरह से उचित नहीं माना जा सकता है। खैर, अब जो फैसला हुआ है, वह स्वागतयोग्य है। ईरान की घटनाओं का मुस्लिम दुनिया पर भी असर होगा।

अच्छी सेहत के लिए समय से करें भोजन

हम सब अलग-अलग टाइम पर भिन्न-भिन्न चीजें खाते हैं। इसलिए हर एक आदमी का खाने का एक खास तरीका होता है। कुछ लोग जब भूख लगती है तब खाते हैं और कुछ लोग जब उनका खाने का समय होता है तब खाते हैं। हालांकि ये दोनों तरीके न तो अच्छे होते हैं और न बुरे होते हैं। इन सब आदतों के अपने-अपने लाभ और नुकसान होते हैं। हालांकि अच्छी सेहत के लिए समय से संतुलित भोजन करना जरूरी है।

भूख लगने पर खाने के फायदे

शरीर की जरूरतें होती हैं पूरी

जब आपको भूख लगती है तब आपका दिमाग ठीक से काम करना बंद कर देता है। इसलिए इस समय खाना अच्छा होता है, क्योंकि इससे आपके शरीर को जरूरी न्यूट्रीएंट्स मिल जाते हैं जिनकी उन्हें जरूरत होती है।

बैलेंस डाइट बॉडी न्यूट्रीएंट्स को आसानी से करती है अवशोषित

भूख लगने पर अगर आप संतुलित डाइट खाते हैं तो उसमे मौजूद विटामिन, मिनरल्स, फाइबर और फैट आसानी से आपके शरीर में अवशोषित होते हैं और आपको ऊर्जा मिलती है।

भूख लगने पर खाने के नुकसान

सही न्यूट्रीएंट्स नहीं मिलने पर होंगे नुकसान

जब आपको भूख लगती है तो आप ये नहीं सोचते कि आपके लिए क्या सही है और क्या गलत है। आपको जो मिला आप उसे ही खाने लगते है इससे आपको सही न्यूट्रीएंट्स नहीं मिलते हैं। जो नुकसानदायक है।

ज्यादा खाने की समस्या

जब आपको भूख लगती है तब आप यह ध्यान नहीं रखते हैं कि आपको कितना खाना है और आप खाते ही जाते हैं। इस वजह से आप बहुत ज्यादा खा लेते हैं जिससे आपको कई सारी दिक्कतें भी हो सकती हैं।

तनाव के कारण भी लगती है भूख

अगर आपको खाने के एक या दो घंटे के बाद ही भूख लगती है तो इसका कारण आपका तनाव हो सकता है। तनाव आपके खाने के तरीके को प्रभावित करता है। इसलिए आप अपने को तनाव फ्री रखने की कोशिश करें।

टाइम पर खाने के फायदे

बॉडी शेड्यूल फॉलो करने के लिए प्रशिक्षित होती है

सही टाइम पर सही चीज खाने से आप ज्यादा नहीं खाते है और आपके पाचन तंत्र पर बहुत ज्यादा स्ट्रेस नहीं पड़ता है और आप स्वस्थ रहते हैं।

एसिडिटी और थकान से बचाए

अगर आप खाने के लिए शेड्यूल फॉलो नहीं करते हैं तो आपको पेट से जुड़ी कई सारी समस्याएं होने की संभावना बढ़ जाती हैं। इसलिए समय पर खाने से आपको थकान और पेट की समस्यायें नहीं होती हैं जिससे आपको ऊर्जा मिलती है।

शरीर को न्यूट्रीएंट्स अवशोषण का पर्याप्त समय मिलना जरूरी

अगर आप अपने समय के अनुसार ही खाते है तो आपके शरीर को न्यूट्रीएंट्स को सही ढंग से अवशोषित करने का समय मिल जाता है जिससे आपका शरीर स्वस्थ रहता है।

शेड्यूल पर खाने के नुकसान

भूख का खत्म होना

आपको कभी-कभी समय से पहले भूख लगती है। ऐसे में आप अपना टाइम फॉलो करते हैं जिससे आपकी भूख खत्म हो जाती है। आपको कई सारी पेट की दिक्कतें भी हो सकती हैं।

पूरा खाना नहीं खा पाते

आपको कभी-कभी कई कारणों से भूख नहीं लगती है, फिर भी आप अपने टाइम के अनुसार खाने लगते हैं। जिससे आप सम्पूर्ण भोजन नहीं कर पाते हैं। इस वजह से आपको पूरे न्यूट्रीएंट्स नहीं मिलते हैं।

जल्दी थकने की समस्या

आप हल्का खाना कभी-कभी खाते हैं जोकि जल्दी पच जाता है। इसलिए आपको भूख भी जल्दी ही लग जाती है। लेकिन आप अपने खाने के टाइम का इंतजार करते हैं। ऐसे में आपको कमजोरी और थकान भी हो सकती है।

हंसना मना है

दो महिलायें बातें कर रही थीं, आजकल मोटापा काफी बढ़ रहा है इसलिए बाहर खान बंद। पैक करवाकर घर लाती हूँ फिर खाती हूँ।

टीचर : इंसान वो है जो हमेशा दूसरों की मदद करे। स्टूडेंट : लेकिन पेपर के समय ना तो आप खुद इंसान बनती हो और ना ही दूसरों को बनने देती हो।

मेरा एक दोस्त मुझसे हमेशा कहता था भाई कुछ अलग कर मेने उसकी गर्लफ्रेंड को उससे अलग करवा दिया अब वह बन्दूक लेकर मुझे ढून्ढ रहा है।

प्यार कभी भी हो सकता है क्योंकि बुद्धि भ्रष्ट होने की कोई उम्र नहीं होती।

अगर अचानक कोई दोस्त कई सालों बाद फोन करे और मिलने के लिए बुलाये तो समझ लेना की वह एलआईसी एजेंट बन गया है।

कौन कम्बख्त कहता है की लड़के सोचते नहीं हैं? एक बार लड़की मुस्कुरा कर तो देखे। शेरवानी के रंग से लेकर बच्चों के नाम तक सब सोच लेते हैं।

पति : हमें तो अपनों ने लुटा, गैरों में कहाँ दम था, मेरी कश्ती ही वहां डूबी जहाँ पानी कम था। पत्नी : तुम तो थे ही गधे तुम्हारी अक्ल में कहाँ दम था वहां किश्ती लेकर ही क्यों गए, जहाँ पानी कम था।

विदाई के समय दूल्हे का मोबाइल बजा दुल्हन ने उसे थपड़ मारा क्यों? उसकी रिंगटोन थी दिल में छुपाकर प्यार का अरमान ले चले हम आज अपनी मौत का सामन ले चले।

कहानी | गणेश और मूषक की सवारी

बहुत समय की बात है, एक बहुत ही भयंकर असुरों का राजा था। गजमुख। वह बहुत ही शक्तिशाली बनना और धन चाहता था। वह साथ ही सभी देवी-देवताओं को अपने वश में करना चाहता था इसलिए हमेशा भगवान शिव से वरदान के लिए तपस्या करता था। शिव जी से वरदान पाने के लिए वह अपना राज्य छोड़ कर जंगल में जा कर रहने लगा और शिवजी से वरदान प्राप्त करने के लिए, बिना पानी पिए भोजन खाए रातदिन तपस्या करने लगा। कुछ साल बीत गए, शिवजी उसके अपार तप को देखकर प्रभावित हो गए और शिवजी उसके सामने प्रकट हुए। शिवजी नें खुश हो कर उसे दैविक शक्तियाँ प्रदान किया जिससे वह बहुत शक्तिशाली बन गया। सबसे बड़ी ताकत जो शिवजी नें उसे प्रदान किया वह यह था की उसे किसी भी शस्त्र से नहीं मारा जा सकता। असुर गजमुख को अपनी शक्तियों पर गर्व हो गया और वह अपने शक्तियों का दुर्पयोग करने लगा और देवी-देवताओं पर आक्रमण करने लगा। मात्र शिव, विष्णु, ब्रह्मा और गणेश ही उसके आतंक से बचे हुए थे। गजमुख चाहता था की हर कोई देवता उसकी पूजा करे। सभी देवता शिव, विष्णु और ब्रह्मा जी के शरण में पहुंचे और अपनी जीवन की रक्षा के लिए गुहार करने लगे। यह सब देख कर शिवजी नें गणेश को असुर गजमुख को यह सब करने से रोकने के लिए भेजा। गणेश जी नें गजमुख के साथ युद्ध किया और असुर गजमुख को बुरी तरह से घायल कर दिया। लेकिन तब भी वह नहीं माना। उस राक्षक नें स्वयं को एक मूषक के रूप में बदल लिया और गणेश जी की और आक्रमण करने के लिए दौड़ा। जैसे ही वह गणेश जी के पास पहुंचा गणेश जी कूदकर उसके ऊपर बैठ गए और गणेश जी ने गजमुख को जीवन भर के मुस में बदल दिया और अपने वाहन के रूप में जीवन भर के लिए रख लिया। बाद में गजमुख भी अपने इस रूप से खुश हुआ और गणेश जी का प्रिय मित्र भी बन गया।

6 अंतर खोजें

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

ध्यान से सुकून मिलेगा। अटके हुए मामले में और अड़चनें आएंगी व ख़र्चे आपके दिमाग पर छा जाएंगे। बच्चे को अपनी उम्मीदों के मुताबिक प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित करें।

वृषभ

आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। आपको अपनी मेहनत का पूरा फायदा मिलेगा। किसी योजना से बड़ा लाभ होगा। इस राशि के वर्किंग लोगों को आय के नए स्रोत मिलेंगे।

मिथुन

मिथुन राशि के विद्यार्थीयों को आज प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता हासिल होगी। समाज में मान सम्मान और प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जो बाधाएं कार्य क्षेत्र में आ रही थीं वो दूर होंगी

कर्क

आज के दिन जो भावुक मिजाज आप पर छाया हुआ है, उससे निकालने के लिए बीती बातों को दिल से निकाल दीजिए। आपको कमीशन, लाभांश या रॉयल्टी के जरिए फायदा होगा।

सिंह

आज किस्मत आपके साथ रहेगी। ऑफिस में सीनियर से बातचीत करने पर सहयोग मिलेगा। पारिवारिक मुद्दों पर फैसले लेने के लिये आज का दिन बेहतर है।

कन्या

आपके जीवन में जो बदलाव हो रहा है, उसे आपको स्वीकार करना होगा। आज आपकी मुलाकात कुछ दिलचस्प और बड़ी सोच वाले लोगों के साथ हो सकती हैं।

तुला

परिवार के कुछ सदस्य अपने ईर्ष्यालु स्वभाव से आपके लिए झुंझलाहट की वजह बन सकते हैं। लेकिन अपना आपा खोने की जरूरत नहीं है, नहीं तो हालात बेकाबू हो सकते हैं।

वृश्चिक

आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। जिस अवसर के लिए कई दिनों से आपको तलाश थी, आज वो पूरी हो जायेगी। आपको किसी करीबी की मदद मिल सकती है।

धनु

आज पुत्र की ओर से कोई बड़ी खुशखबरी प्राप्त हो सकती है। इस समय आप नई गाड़ी या कोई नया उपकरण खरीदने की योजना बना सकते हैं।

मकर

आपको सेहत से जुड़ी परेशानियों के चलते अस्पताल जाना पड़ सकता है, अत : सावधानी अपेक्षित है। अपने निवेश और भविष्य की योजनाओं को गुप्त रखें।

कुम्भ

आज आपका दिन उत्तम रहेगा। कुछ खास करने के लिए दिन बेहतर है। आपको कोई बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है, जिसे आप बखूबी निभाएंगे।

मीन

आज आप भविष्य के लिए कुछ योजनाएं बना सकते हैं। किसी के प्रति आकर्षित होंगे। जितना हो सके गरीब और असहाय लोगों की मदद करेंगे आप तेज गति से अपने जीवन में प्रगति करते हुए आगे बढ़ेंगे।

दीपिका पादुकोण करेंगी फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी का अनावरण

दीपिका पादुकोण इन दिनों अपनी फिल्मों को लेकर काफी चर्चा में हैं। इसी बीच एक्ट्रेस के फैंस के लिए अपनी स्टार पर गर्व महसूस करने का एक और मौका मिला है। दरअसल, दीपिका पादुकोण फीफा वर्ल्ड कप के फाइनल में ट्रॉफी का अनावरण करेंगी।

इन दिनों फीफा वर्ल्ड कप कतर में हो रहा है, जिसका फाइनल 18 दिसंबर 2022 को होने जा रहा है। ऐसे में दीपिका पादुकोण भी इस फिनाले में शामिल होने वाली हैं। हालांकि इसको लेकर अभी तक आधिकारिक घोषणा नहीं हुई दी है, लेकिन मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दीपिका का नाम तय हो गया है। अगर ऐसा होना तय है तो दीपिका पादुकोण बॉलीवुड की वो एक्ट्रेस हैं, जिन्हें फीफा वर्ल्ड कप ट्रॉफी की मुंह दिखाई करने का मौका मिलगा।

हाल ही में बॉलीवुड की बेली क्वीन यानी नोरा फतेही ने फीफा वर्ल्ड कप में अपनी दमदार परफॉर्मेंस दी थी। उन्होंने 'लाइट द स्काई' गाने पर शानदार परफॉर्मेंस थी। एक्ट्रेस के वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुए थे। इतना ही नहीं नोरा ने देश का झंडा भी लहराया था।

दीपिका इन दिनों अपकमिंग फिल्म प्रोजेक्ट के की शूटिंग में बिजी है। इस फिल्म में पहली बार साउथ एक्टर प्रभास के साथ नजर आएंगे। इसमे अमिताभ बच्चन में नजर आएंगे। इस फिल्म के बारे में कहा जा रहा है कि यह हिंदी सिनेमा की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म होगी। ये फिल्म नाग अश्विन के डायरेक्शन में बन रही है। खबरों की माने तो साल 2023 में इस मूवी की शूटिंग पूरी होगी।

एक्ट्रेस की आने वाली फिल्में

दीपिका पादुकोण के लिए साल 2023 काफी अहम होने वाला है। आने वाले साल में उनकी एक से बढ़कर एक फिल्म पर्दे पर रिलीज होने जा रही है। फिल्म पठान में देखा जाएगा, जिसमें वो शाहरुख खान के साथ नजर आएंगी। दीपिका अपने पति रणवीर सिंह की मूवी सर्कस में कैमियो में नजर आएंगी। इसके अलावा दीपिका, शाहरुख की जवान में भी नजर आएंगी।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

थप्पड़ खाने पर एक्टिंग छोड़ने का बना लिया था मन : शक्ति कपूर

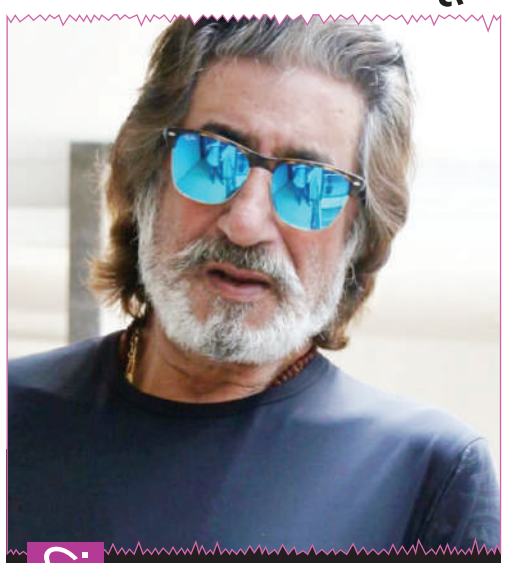

हिंदी सिनेमा के जाने-माने अभिनेता शक्ति कपूर ने हाल ही में अपने फिल्मी करियर को लेकर बड़ा खुलासा किया है। शक्ति कपूर को हिंदी फिल्म इंडस्ट्री में विलेन के किरदार से पहचान मिली है। एक्टर ने बताया है कि एक समय था जब बॉलीवुड छोड़ना चाहते थे। शक्ति कपूर की ये बात सुनकर हर किसी को झटका लग गया है। शक्ति कपूर ने बॉलीवुड में कॉमेडियन और विलेन के रूप में अपनी पहचान बनाई है। हाल ही में शक्ति कपूर द कपिल शर्मा शो में नजर आए थे। उनके साथ शो में असरानी पेंटल और टीकू तलसानिया जैसे स्टार्स भी नजर आएं। सभी स्टार्स ने शो पर अपने करियर के बारे में कई दिलचस्प बाते बताई। इसी दौरान शक्ति कपूर ने भी अपनी फिल्म मवाली की शूटिंग के बारे में बताया है। शूटिंग के दौरान उन्हें कई ताबड़तोड़ थप्पड़ पड़े थे। इस घटना के बाद एक्टर ने फिल्म इंडस्ट्री छोड़ने का फैसला किया था। एक्टर ने बताया कि उन थप्पड़ों की बरसात के बाद वह अपने करियर को लेकर काफी टेंशन में आ गए थे। इस हादसे के बाद मैं सोचकर परेशान हो गया कि मेरा करियर खत्म हो गया है। कादर खान भी फिल्म का हिस्सा थे। मैं कादर खान के पास गया और मैंने उनसे कहा कि मैं आपके पैर पड़ता हूं। मेरा टिकट बुक करा दो। मैं इस फिल्म का हिस्सा नहीं बनना चाहता हूं। मेरा करियर खत्म हो गया है और मैंने अभी तक शादी भी नहीं की है।

हेरा फेरी-3 में नजर आ सकते हैं अक्षय कुमार

अक्षय कुमार के फैंस के लिए बड़ी खबर सामने आई है। इस साल 2022 अक्षय कुमार के लिए कुछ खास नहीं रहा है। उनकी अधिकतर फिल्में बॉक्स ऑफिस पर फ्लॉप हुई है। वहीं पिछले काफी दिनों से मीडिया में खबरें चल रही थी कि अक्षय कुमार हेरा फेरी फिल्म पार्ट-3 में नजर नहीं आएंगे। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार फिल्ममेकर फिरोज नाडियाडवाला अक्षय कुमार से बातचीत कर रहे हैं। ऐसे में कयास लगाए जा रहे हैं कि अक्षय कुमार फिल्म हेरा-फेरी 3 में नजर आ सकते हैं। अक्षय के फिल्म से बाहर निकलने के बाद, कार्तिक आर्यन का नाम सामने आया था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सुपरहिट भूल भुलैया-2 देने वाला कार्तिक आर्यन फिल्म हेरा फेरी का हिस्सा होंगे। बता दें कि परेश रावल ने ट्विटर पर पुष्टि की थी। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, फिल्म के निर्माता फिरोज नाडियाडवाला ने अक्षय कुमार के साथ बातचीत फिर से शुरू की है, जो हाल ही में रेड सी इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में शामिल हुए थे। निर्माता ने इस बात पर सहमति जताई कि अक्षय का राजू का किरदार हेरा फेरी फ्रैंचाइजी को उनके साथी कलाकारों सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ इतना खास बनाता है। जबकि पहले मीडिया में यह अनुमान लगाया गया था कि फिल्म में अक्षय के पारिश्रमिक पर असहमति थी, हाल की मीडिया रिपोटरें में कहा गया है कि निर्माता और अभिनेता के बीच मतभेद मुख्य रूप से स्क्रिप्ट के कारण थे क्योंकि अक्षय फ्रैंचाइजी के लिए सर्वश्रेष्ठ के अलावा कुछ नहीं चाहते थे। टीम ने बहुत प्यार और जुनून के साथ बनाया है। इस खबर से अक्षय कुमार के प्रशंसक सोशल मीडिया पर अपनी खुशी व्यक्त कर रहे हैं क्योंकि ट्विटर पर हैशटैग-हेराफेरी-3 काफी समय से ट्रेंड कर रहा है।

भारत की सबसे छोटी ट्रेन, नौ किमी पहुंचने में लेती है 40 मिनट

भारतीय रेलवे यात्रियों की सुविधाओं के लिए तमाम ट्रेन चलाता है, जिनमें कम और लंबी दूरी की ट्रेनें शामिल हैं। इन में कुछ ट्रेनों की गति 100 किलोमीटर तो किसी की गति 60-70 किलोमीटर ही होती है। लेकिन आज हम आपको देश की एक ऐसी ट्रेन के बारे में बताने जा रहे हैं जो सबसे छोटी भी है और सबसे धीरे भी चलती है। इस ट्रेन की शुरुआत साल 2018 में की गई थी। ये ट्रेन कोचीन हार्बर टर्मिनस और एर्नाकुलम जंक्शन के बीच चलती है। ये ट्रेन आपकी कल्पना से भी छोटी है। क्योंकि आजतक आपने इतनी छोटी ट्रेन नहीं देखी होगी। आमतौर आपने दर्जनों बोगियों वाली ट्रेन देखी होगी। लेकिन इस ट्रेन में सिर्फ तीन बोगियां जो इस ट्रेन को भारत की सबसे छोटी ट्रेन का दर्ज देती है। यदि कोई इस ट्रेन को दूर से देखता है तो ऐसा लगता है कि पटरी पर केवल इंजन ही दौड़ रहा है। यही नहीं इस ट्रेन की गति भी इतनी कम है कि आप इसे साइकिल से भी पीछे छोड़ सकते हैं।

रेलवे ने इस ट्रेन को डीजल इलेक्ट्रिकल मल्टीपल यूनिट (ष्ठश्वरू) नाम दिया है। यह ट्रेन केरल में चलती है। देश की सबसे छोटी ट्रेन रोजाना सुबह और शाम कोची हार्बर टर्मिनस (ष्ठ॥ञ्ज) और एर्नाकुलम जंक्शन के बीच चलती है। इस ट्रेन का रूट भी छोटा है और रफ्तार भी आम ट्रेनों के मुकाबले काफी कम है। देश की सबसे छोटी ट्रेन 9 किलोमीटर का सफर तय कराने में 40 मिनट का समय लेती है। बता दें कि ये ट्रेन सिर्फ नौ किलोमीटर ही चलती है। इस रास्ते में इसका एक स्टॉप है। इस ट्रेन में 300 यात्रियों के बैठने की क्षमता है लेकिन आमतौर पर 10-12 यात्री ही इसमें सफर करते दिखाई देते हैं।

अजब-गजब | राजस्थान के पाली में स्थित है शीतला माता मंदिर

यहां सदियों से रखा है ऐसा घड़ा, जिसे लाखों लीटर पानी डालकर भी कोई नहीं भर पाया

हमारे देश में लाखों मंदिर है इनमें से कुछ मंदिरों को चमत्कारी माना जाता है। यही नहीं हर मंदिर की कोई न कोई खासियत भी है। आज हम आपको एक ऐसे मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं जो राजस्थान के पाली में स्थित है। इस मंदिर में एक ऐसा घड़ा रखा हुआ है जिसके बारे में कहा जाता है कि इस घड़े में जितना भी पानी डाल लो लेकिन इसे भरा नहीं जा सकता। इस घड़े के रहस्य को आज तक कोई वैज्ञानिक भी नहीं समझ पाया।

दरअसल, राजस्थान के पाली जिले के भटुड गांव में स्थित माता 'शीतला का मंदिर' में एक ऐसा ही चमत्कारी घड़ा रखा हुआ है। जो कभी भी भरता नहीं हैं। ऐसा कहा जाता है कि लाखों लीटर पानी डालने के बावजूद उसमें पानी भरने की जगह बची रहती है।

इस मंदिर के बारे में प्रचलित पौराणिक कथा के मुताबिक, करीब 800 साल पहले इस गांव में बाबरा नामक एक राक्षस रहता था, जो किसी भी शादी में दूल्हे को मार देता था। इस समस्या के समाधान के लिए गांव के पुजारियों ने माता शीतला की पूजा कर उनसे राक्षस को मारने का विनम्र अनुरोध किया। इसके बाद भक्तों की पुकार सुनकर मां साक्षात प्रकट हुईं और उन्होंने उसे अपने घुटने के नीचे दबोच लिया। माता की शक्ति के आगे असुर ने हार मान ली और मां से पाताल लोक भेजने का आग्रह किया। लेकिन उससे पहले उसने अपने प्यासे होने की बात कह कर पानी पिलाने का आग्रह किया। तब से ही घड़े में जल डालने की परंपरा की शुरु हो गई। इस मंदिर को साल में दो बार खोला जाता है। मंदिर के पट जब भी खोले जाते हैं, माता के दर्शन के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। पूरे गांव की महिलाएं पूजा-अर्चना के बाद घड़े में पानी डालती हैं, लेकिन आज तक घड़ा नहीं भर पाया है। वो पानी आखिर जाता कहां है इस रहस्य का पता आज तक नहीं लग सका है। कहा जाता है कि घड़े का पूरा पानी राक्षस पी जाता है। लेकिन पानी से भरे घड़े में जैसे ही मां के चरणों में चढ़ा हुआ दूध डाला जाता है, वैसे ही घड़ा भर जाता है। मंदिर में ये घड़ा सदियों से रखा हुआ है। ऐसी मान्यता है कि पूरी श्रद्धा और भक्ति भाव से माता की पूजा करने से सभी मनोकामनाएं पूरी होती हैं।

इरफान सोलंकी के भाई और चाचा पर भाजपा नेता ने कराया रंगदारी का केस

» जेल जाने के बाद भी कम होने के बजाए बढ़ती जा रहीं सपा विधायक की मुश्किलें

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। यूपी के कानपुर से सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। मंगलवार को जाजमऊ थाने में सपा विधायक, भाई रिजवान, चाचा, पार्षद पति समेत विधायक के गुर्गों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। बीजेपी कार्यकर्ता ने रंगदारी का केस कराया है। वहीं, दूसरा मुकदमा जमीन कब्जाने का है। कानपुर कमिश्नरेट पुलिस को सपा विधायक और उनके भाई रिजवान के खिलाफ 13 शिकायतें मिली थीं। इनकी जांच के लिए कमिश्नरेट पुलिस ने एसआईटी का गठन किया था। पीड़ितों ने थाने और अधिकारियों से पहले भी शिकायतें की थीं, लेकिन विधायक के रुतबे के आगे पुलिस भी नतमस्तक थी।

अनवरगंज थाना क्षेत्र स्थित फूलवाली गली में रहने वाले बीजेपी कार्यकर्ता अकील अहमद खान ने रंगदारी का मुकदमा दर्ज कराया है। बीजेपी कार्यकर्ता अकील अहमद एक मामले में मिलने वाली नजीर फतिमा की पैरवी कर मदद कर रहे थे। अकील का आरोप है कि सपा विधायक, उनके भाई रिजवान, पार्षद पति मुरसलीन और कई अज्ञात गुर्गों ने धमकी दी थी। उनका कहना था कि इस मामले नहीं पड़े। इसके साथ ही रंगदारी भी मांगी गई थी। बीजेपी कार्यकर्ता ने अकील अहमद खान ने बताया कि एसीपी से शिकायत की थी, लेकिन किसी तरह की कार्रवाई नहीं हुई। सपा विधायक और उनका भाई जेल में है, इसलिए दोबारा लिखित शिकायत की, तब जाकर रंगदारी की एफआईआर दर्ज हुई है। इससे पता चलता है कि सपा विधायक की पुलिस विभाग ककर्मियों के साथ किस तरह की पैठ थी।

बेकनगंज थाना क्षेत्र के कंघी मोहाल में रहने वाले नसीम आरिफ ने दूसरा केस दर्ज कराया है। पीड़ित नसीम आरिफ का आरोप है कि सपा विधायक इरफान सोलंकी ने उनकी 500 वर्ग गज जमीन पर कब्जा कर लिया है। उनकी इस करतूत का विरोध करने पर सपा विधायक उनके भाई, चाचा इश्तियाक और 16 अज्ञात ने उनके साथ मारपीट की थी। विधायक के भाई ने उनके मुंह पर पिस्टल ठूंस दी थी। पुलिस ने नसीम आरिफ की शिकायत पर मारपीट, बलवा, जमीन कब्जा करने की धाराओं में केस दर्ज किया है।

कहीं नहीं हो रही थी सुनवाई

पीड़ित नसीम आरिफ ने बताया कि यह मामला 2018 का है। जमीन पर कब्जा होने के बाद से लगातार पुलिस विभाग के अधिकारियों यहां चक्कर लगा रहे थे। सभी अधिकारियों से लिखित शिकायत की थी, लेकिन विधायक की पहुंच के आगे मेरी कहीं भी सुनवाईं नहीं हुई।

पुलिस को मिली थीं 13 शिकायतें

सपा विधायक पर मुकदमों की संख्या बढ़कर 13 हो गई है। इससे पहले इरफान पर 11 मुदकमें दर्ज थी। ज्वाईंट सीपी का कहना है कि झोपड़ी में आगजनी की घटना के बाद हमें 13 शिकायतें मिली थी। उन्हीं शिकायतों में यह दो मुकदमें जाजमऊ थाने में दर्ज किए गए हैं। अन्य शिकायतों पर भी जांच के आधार पर केस दर्ज किए जाएंगे।

केन्द्रीय मंत्री अश्वनी चौबे का नीतीश कुमार पर विवादित बयान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कैमूर। बिहार के मुख्यमंत्री नपुंसकता के शिकार हो गए हैं। बिहार सरकार नपुंसक हो गई है। ये कहना है राज्यमंत्री अश्विनी चौबे का। उन्होंने कहा कि बिहार सरकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार नपुंसकता के शिकार हो गए हैं। इस लिए बिहार में अपराधियों के हौसले बुलंद हैं।

बिहार में महिलाओं को जला कर मार दिया जा रहा है। मां बेटी की हत्या कर दी जा रही है। राज्य मंत्री अश्विनी चौबे ने कहा कि अरवल के अंदर दो-दो हत्याएं हुई। अपराधी गलत नीयत से घर में घुसे और मां-बेटी को जलाकर मार दिया। चौबे ने कहा कि अपराधियों का मनोबल इतना बढ़ा हुआ है कि वो किसी घटना को अंजाम देने से पहले सोच भी नहीं रहे हैं। घटना में दोनों मां-बेटी पर पेट्रोल डालकर उनकी हत्या कर दी गई। यह बिहार में क्या हो रहा है?

कवि इं. राजेश अरोरा शलभ की 19वीं कृति का विमोचन

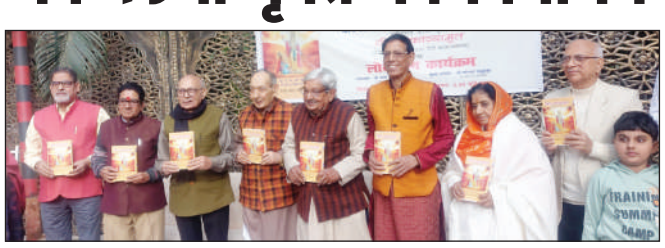

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। साहित्यक व सांस्कृतिक संस्था विविधा एवं बिम्ब कला केंद्र के संयुक्त तत्वावधान में कार्लटन होटल के मशाल सभागार में वरिष्ठ सुविख्यात कवि इं. राजेश अरोरा शलभ की नवीनतम (19वीं) पुस्तक गीता-काव्यामृत का विमोचन किया गया। उत्तर प्रदेश हिंदी संस्थान के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष उदय प्रताप सिंह की अध्यक्षता में हुए इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उप्र भाषा संस्थान के पूर्व अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी, सुविख्यात वरिष्ठ कवि सूर्यकुमार पांडेय, श्याम मिश्र, सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका सुनीता झिंगरन, महामना मालवीय मिशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष प्रभुनारायण श्रीवास्तव व गीता-साधक अम्बिका प्रसाद मिश्र उपस्थित रहे।

मुख्य अतिथि गोपाल चतुर्वेदी ने पुस्तक को आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी बताते हुए कहा कि गीता जैसे गूढ़ विषय पर उसमें निहित भावों को इतनी सरल भाषा में सटीक रूप में प्रस्तुत करने का शलभ का यह प्रयास सराहनीय ही नहीं, बल्कि अद्भुत भी है।

इस दौरान सूर्यकुमार पांडेय ने कहा कि राजेश शलभ की कृति गीता के गूढ़ ज्ञान को सरल भाषा में समझने नें सर्वथा सफल है। इसका गेय और छंदबद्ध रूप उनको एक सफल आध्यत्मिक चेतना संपन्न व्यक्ति के तौर पर प्रतिष्ठित करता है।

युवक की बेरहमी से हत्या, पॉलिथीन में बांधकर फेंका शव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

हमीरपुर। जिले में एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। घटना सदर कोतवाली क्षेत्र के पुराना बेतवा घाट के पास की है। यहां युवक की हत्याकर शव को पॉलिथीन में बांधकर फेंक दिया गया। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को निकाला, तो उसमें लगभग 35 साल के युवक की बॉडी निकली।

मृतक युवक के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान है। पुलिस शहर के सीसीटीवी फुटेज खंगाल कर हत्यारों का तलाश में जुटी है। एसपी शुभम पटेल ने बताया कि बुधवार सुबह डायल-112 पर सूचना दी गई कि बेतवा घाट रोड कोतवाली सदर पर एक बोरी पड़ी है। उसमें खून निकल रहा है। सूचना पर थाना कोतवाली पुलिस द्वारा मौके पर पहुंच कर बोरी खुलवाई, तो उसमें लगभग 35 वर्षीय युवक का शव मिला हैं। फील्ड यूनिट और डॉग स्क्वायड मौके पर मौजूद है। घटनास्थल का निरीक्षण किया जा रहा है। जल्द ही आरोपियों को गिरफ्तार किया जाएगा।

बीआरडी कालेज में आईसीयू की बिजली कटने से मरीज की मौत

» मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाएं बदहाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मेडिसिन विभाग के आईसीयू में भर्ती मरीज की मौत पर परिजनों ने हंगामा करते हुए लापरवाही का आरोप लगाया है। परिजनों का आरोप है कि मरीज मंगलवार की सुबह ठीक था और चल-फिर रहा था। अचानक उसे आईसीयू में भर्ती कर दिया गया। इस दौरान उसे ऑक्सीजन लगाया गया था, अचानक बिजली चली गई और कुछ देर बाद मरीज की मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक, देवरिया जिला के थाना मदनपुर के तड़वा गांव निवासी कर्ताराम सिंह (45) को झटके आ रहे थे। तीन दिसंबर को परिजनों ने इलाज के लिए भर्ती किया। मरीज के चचेरे भाई भोलू ने बताया कि सोमवार की रात कर्ताराम की स्थिति ठीक थी। मंगलवार की सुबह वह घरवालों से बात करते हुए चल-फिर रहे थे। अचानक उन्हें ऑक्सीजन लगाकर मेडिसिन के वार्ड नंबर 14 के आईसीयू के बेड नंबर दो पर

भर्ती कर दिया गया। आरोप लगाया कि भर्ती करने से मना किया गया, लेकिन डॉक्टर नहीं माने। इस बीच अचानक मंगलवार की शाम आईसीयू की विद्युत आपूर्ति ठप हो गई। थोड़ी ही देर बाद डॉक्टरों ने कर्ताराम को मृत घोषित कर दिया। इस बीच विरोध करने पर मेडिसिन डॉक्टरों ने अभद्रता करते हुए पुलिस भी बुला ली। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को बाहर जबरन बाहर करवा दिया। मौत की सूचना पर परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के तीन छोटे-छोटे बच्चे हैं। वह मजदूरी करके परिवार चलाता था। बीआरडी मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गणेश कुमार ने कहा कि इस तरह की घटना की कोई जानकारी नहीं मिली है। अगर ऐसा हुआ है तो मामले की जांच कराई जाएगी। दोषी मिलने पर डॉक्टरों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।

क्या कल के रिजल्ट में बदलेगा एग्जिट पोल!

» 4 पीएम की परिचर्चा में पैनलिस्टों ने उठाए सवाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एबीपी न्यूज समेत सभी चैनलों के एग्जिट पोल में गुजरात-हिमाचल में बीजेपी सरकार बना रहीं हैं। ऐसे तमाम न्यूज समेत सभी चैनलों के एग्जिट पोल में गुजरात-हिमाचल में बीजेपी सरकार गुजरात और हिमाचल प्रदेश का एक्जिट पोल सामने आ चुका है। 6 चैनलों ने जो एक्जिट पोल चलाया है उसके मुताबिक बीजेपी गुजरात में औसत 115 सीट जीत सकती है जबकि कांग्रेस 66 सीटें जीत सकती है। ऐसे में सवाल उठता की जो एग्जिट पोल दिखाया गया हैं वैसे ही नतीजे क्या 8 तारीख को आयेंगे ! इस पर 6 बजे परिचर्चा हुई! जिसमें सतीश के सिंह वरिष्ठ पत्रकार सुशील दुबे, धनंजय कुमार, आनंदवर्धन सिंह, डॉ. सुनीलम किसान नेता अभिषेक कुमार के साथ लम्बी चर्चा हुई।

परिचर्चा

रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सतीश के सिंह ने कहा, मैं संपादक रहते हुए और समूह संपादक रहते हुए कभी भी ओपनियन पोल को बढ़ावा नहीं दिया बहुत पैरवी भी आते थे कि हमसे करा लीजिये लेकिन मैं कभी नहीं मानता था।

धनंजय कुमार ने कहा,पहले भी पत्रकार हवा का रुख भांप लेते थे तो उस समय आकलन होता था चर्चा भी होती थी लेकिन अभी जो स्थिति हैं उसके देखते हुए ये सब बंद होना नहीं चाहिए लेकिन मेरा यही कहना हैं ये होता ही क्यों हैं इसमें क्या फायदा हैं आम आदमी को या लोकतंत्र को ये सब करना एक तरह से अपनी टीवी चैनल पर बड़ा सवाल खड़ा करता हैं।

सुशील दुबे ने कहा, ये सब बंद करना देना चाहिए इससे देश का माहौल खराब होता हैं ये जो बड़े चैनल के पत्रकार हैं इनकी हिम्मत ही नहीं मोदी के खिलाफ कुछ दिखाने कि ये लोकतंत्र का पार्ट नहीं हैं ये देश को आतंकित करने वाली बात हैं।

डॉ. सुनीलम ने कहा, एग्जिट पोल लगातार गलत साबित होती हैं कई बार सही होता हैं कई बार गलत होता हैं। जैसे हिमाचल को लेकर ये बात आ रही हैं कांग्रेस की सरकार बना सकती हैं। वहां कुछ का ही अंतर हैं वहां बीजेपी और कांग्रेस में क्लोज फाइट हैं लेकिन एग्जिट पोल में सिर्फ बीजेपी कि जीत दिखाई गई हैं।

आनंदवर्धन सिंह ने कहा, मैं उस इंसान को खोज रहा हूं जिन्होंने एग्जिट पोल वाले से संपर्क किया होगा मुझे तो आज तक कोई नहीं मिला जो बोले की अपने चैनल में एग्जिट पोल दिखा दीजिये सब एक जगह से ही जान लेते हैं सरकार कौन सी बन रही हैं।

सदन में पीएम मोदी बोले, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ में किसान और जवान दोनों समाहित

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। संसद का शीतकालीन सत्र आज से शुरू हो गया है। 17 दिनों का यह सत्र 29 दिसंबर तक चलेगा। इस सत्र के दौरान संसद में 16 बिल पेश किए जाएंगे और 7 लंबित विधेयकों को पारित कराने की भी कोशिश की जाएगी। बता दें कि ये राज्यसभा का 258वां सत्र है। सभापति के तौर पर उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ पहली बार उच्च सदन की कार्यवाही का संचालन कर रहे हैं। राज्यसभा सदस्य सभापति का अभिनंदन किया। उनका स्वागत करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि उपराष्ट्रपति में किसान और जवान दोनों समाहित हैं।

शून्यकाल के बाद लोकसभा को दोपहर 2 बजे तक स्थगित कर दिया गया। इससे पहले लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने शुरूआत में ही दिवंगत सदस्यों को श्रद्धांजलि दी। बाद में कार्यवाही शुरू होने से पहले उन्होंने आजादी के अमृत महोत्सव काल में जी 20 की मेजबानी मिलने को देश के लिए गर्व का विषय बताया। इस महान उपलब्धि के लिए उन्होंने देशवासियों और भारत सरकार को बधाई दी।

लोकसभा अध्यक्ष पर अधीर रंजन ने लगाए आरोप

शून्यकाल शुरू होने के बाद लोकसभा में कांग्रेस के नेता अधीर रंजन चौधरी ने लोकसभा अध्यक्ष पर आरोप लगाते हुए कहा कि सदन में विपक्ष को दी जाने वाली सुविधाएं छीन ली गई हैं। स्टैंडिंग कमेटी विपक्ष से छीन ली गई हैं। ऐसा क्यों हो रहा है? ये हमारी परंपरा थी, लेकिन इस परंपरा को आप खत्म कर रहे हैं। इस पर अध्यक्ष ने आपत्ति जताते हुए कहा कि अध्यक्ष के आसन को चुनौती देकर सदन की परंपरा का उल्लंघन किया है। सदन की कमेटी के बारे में निर्णय लेने का अधिकार अध्यक्ष का होता है।

सिद्धि साधनों से नहीं, साधना से मिलती है : पीएम मोदी

राज्यसभा के अध्यक्ष जदीप धनखड़ को बधाई देते हुए पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि मैं इस सदन के साथ-साथ राष्ट्र की ओर से सभापति को बधाई देता हूं। आप संघर्षों के बीच जीवन में आगे बढ़ते हुए इस मुकाम पर पहुंचे हैं, यह देश के कई लोगों के लिए प्रेरणा है। आप सदन में इस प्रतिष्ठित पद की शोभा बढ़ा रहे हैं। राज्यसभा के अध्यक्ष जदीप धनखड़ से पीएम मोदी ने कहा कि हमारे उप राष्ट्रपति किसान पुत्र हैं और उन्होंने सैनिक स्कूल में पढ़ाई की है। इस प्रकार वह जवानों और किसानों के साथ निकटता से जुड़े हुए हैं। राज्यसभा में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि यह संसद सत्र ऐसे समय में आयोजित किया जा रहा है जब हम आजादी का अमृत महोत्सव मना रहे हैं और जब भारत जी-20 की अध्यक्षता ग्रहण कर चुका है।

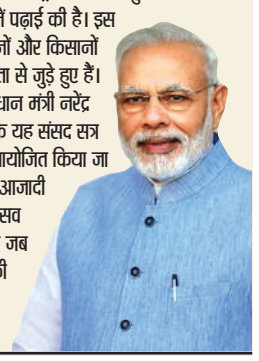

कांग्रेस अध्यक्ष ने सभापति को सुनाया शेर

इससे पहले राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने सभापति उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से कहा कि आप भूमि पुत्र हैं, संसदीय परंपराओं को आप बखूबी समझते हैं। राजस्थान विधानसभा और पश्चिम बंगाल में राज्यपाल रहे हैं। पढने लिखने में आपकी रूची है, आपकी रूपरेखा बेहद बड़ी है। खरगे ने कहा कि मैं कहना चाहता हूं कि राज्यसभा के संरक्षक के रूप में आपकी भूमिका बाकी भूमिकाओं से काफी बड़ी है। आप जिस आसन पर बैठे हैं उसपर कई गणमान्य लोग बैठ चुके हैं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने आगे कहा कि विपक्ष की तरफ से हम यही कहना चाहते हैं कि आपको हम अपनी तरफ से पूरा-पूरा सहयोग देंगे। उन्होंने अपनी बात एक शेर कहकर खत्म की। उन्होंने कहा- *मेरे बारे में कोई राय मत बनाना गालिब, मेरा वक्त भी बदलेगा, मेरी राय भी बदलेगी।*

विधायकों को खरीद-फरोख्त से बचाने की तैयारी में जुटी कांग्रेस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। हिमाचल विधानसभा चुनाव में बहुमत हासिल करने को लेकर आश्वस्त कांग्रेस निर्वाचित होने वाले विधायकों को खरीद-फरोख्त से बचाने की तैयारी कर रही है। पार्टी ने अपने विधायकों को साथ रखने के लिए वरिष्ठ नेताओं की प्रतिनियुक्ति की है। उसने नए विधायकों को राजस्थान ले जाने की भी योजना बनाई है।

हिमाचल और गुजरात विधानसभा चुनाव में हुए मतदान की गिनती गुरुवार को होगी। सूत्रों का कहना है कि कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा व्यक्तिगत रूप से स्थिति की निगरानी कर रही हैं और अगली रणनीति का मसौदा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने तैयार किया है।

कांग्रेस नेता सुखविंदर सिंह सुक्खू ने एग्जिट पोल के इस दावे को खारिज करते हुए कि भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ी टक्कर है, कहा कि उनकी पार्टी हिमाचल प्रदेश में बहुमत हासिल करेगी। उधर, चुनावी इतिहास से हटकर मौजूदा सत्तारूढ़ भाजपा हिमाचल प्रदेश में अगले पांच साल तक सत्ता में बने रहने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रही है। राज्य के 68 विधानसभा क्षेत्रों में 28,697 के सैंपल साइज के साथ एबीपी-सीवोटर एग्जिट पोल के आईएएनएस के विश्लेषण से यह बात सामने आई।

हजरतगंज में कॉमन बिल्डिंग कोड का हाल बेहाल

» दागदार हो उड़ने लगा बिल्डिंगों का रंग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ शहर के सबसे पॉश इलाकों में शामिल हजरतगंज में साल 2010 में शासन द्वारा कॉमन बिल्डिंग कोड को लागू किया गया था। इसके अनुसार, सभी बिल्डिंग को लाइट क्रीम और पिंक रंग से रंगवाने के साथ ही केवल ब्लैक एंड व्हाइट रंग के बोर्ड ही लगवाए जाने का निर्देश दिया गया था। हालांकि, अब समय बीतने के साथ कॉमन बिल्डिंग कोड का हाल बदहाल होने लगा है और यहां बिल्डिंगों का रंग दागदार होने लगा है। अब तो आलम यह है कि व्यापारियों ने मनमाने रंग के बोर्ड लगवा लिए हैं। इतना ही नहीं फुटपाथ तक पर गाड़ियां खड़ी होने लगी हैं। किसी समय हजरत गंज के सौंदर्यीकरण के लिए लगाए गए फाउंटेन अब महज़ शोपीस बनकर रह गए हैं। साथ ही जगह-जगह लगवाए गए डस्टबिन गायब होने के चलते हर तरफ गंदगी नजर आने लगी है।

बतादें, किसी इलाके में कॉमन बिल्डिंग कोड लागू होने पर वहां की सभी बिल्डिंग को एक खास तय रंग रोगन कर बनाया या सजाया जाता है। हजरतगंज चौराहे से लेकर मेफेयर तिहारे तक कई दुकानों और शोरूम के बोर्ड निर्धारित की जगह मनमाने साइज और रंग के लगवा लिए गए हैं। गांधी आश्रम, रंगरीति, हबीब्स सहित कई प्रतिष्ठानों में मानक दरकिनार कर बोर्ड लगवा लिए गए हैं।

अवैध पार्किंग और गंदगी

शहर के सबसे पॉश और वीआईपी इलाका होने के साथ शाम के समय में गंज इस शहर की रौनक बढ़ाता है और लोग यहां पर गंजिंग करने भी आते रहते हैं। इसी कारण यहां पर काफी भीड़ रहती है। ऐसे में यहां जाम को बचाने के लिए अवैध पार्किंग पर पूरा ध्यान रखा जाता है। मगर कुछ दिनों से यहां पर धड़ल्ले से अवैध पार्किंग भी हो रही है। जिस ओर कोई ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हलवासिया तिराहा स्थित रिलायंस डिजिटल स्टोर के बाहर पूरे दिन अवैध तरीके से गाड़ियां खड़ी रहती हैं। कुछ यही स्थिति साहू बिल्डिंग, मेट्रो स्टेशन और मेफयर के पास भी रहती है। इतना ही नहीं फुटपाथ तक पर गाड़ियां खड़ी होने से लोगों का पैदल चलना तक दुश्वार हो गया है।

फाउंटेन बने शोपीस

गंजिंग के लिए मशहूर हजरतगंज में इलाके की सौंदर्यता को बढ़ाने के लिए कई फाउंटेन लगवाए गए थे, मगर रखरखाव के अभाव व इस ओर कोई ध्यान नहीं दिए जाने के कारण अब ये फाउंटेन महज शोपीस बनकर रह गए है। रखरखाव के अभाव में सभी फाउंटेन खराब हो चुके हैं। आसपास के दुकानदारों का भी कहना है कि फाउंटेन सही करवाने के लिए नगर निगम को कई बार पत्र लिखा जा चुका है। इसके बावजूद जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं। वहीं इस मामले पर जोनल अधिकारी नरेंद्र देव ने कहा कि नियमों का हर हाल में पालन करवाया जाएगा। बाजार का निरीक्षण करवा सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करने के निर्देश दिए जाएंगे।

2024 के लिए अहम होंगे उपचुनाव के नतीजे

कल आएगा मैनपुरी, रामपुर व खतौली सीट का रिजल्ट, अखिलेश, आजम और जयंत की दांव पर लगी है प्रतिष्ठा

» भाजपा के सामने है खतौली को बरकरार रखने, मैनपुरी व रामपुर जीतने की चुनौती

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में एक लोकसभा व दो विधानसभा सीट पर हुए उपचुनाव के नतीजे 2024 की भूमिका बनाने के लिए अहम होंगे। गुरुवार को नतीजे आयेंगे लेकिन सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की ही धड़कनें पिटारा खुलने से पहले बढ़ी हुई हैं।

लोकसभा की मैनपुरी सीट पर जहां देश के सबसे बड़े राजनैतिक घराने मुलायम सिंह यादव के सुपुत्र पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव की साख दांव पर है, वहीं भाजपा के लिये भी नेताजी के निधन के बाद इस सीट को जीतने की बड़ी चुनौती सामने है।

कमोबेश कुछ ऐसा ही हाल सपा के कद्दावर नेता आजम खां गढ़ रामपुर का है। यहां आजम की प्रतिष्ठा दांव पर है और राजनैतिक लिहाज से उनका अपने प्रत्याशी को जिताकर विधानसभा भेजना अहम है। उधर, पश्चिमी यूपी की खतौली विधानसभा सीट पर रालोद प्रमुख चौ. जयंत सिंह की प्रतिष्ठा भी 2024 के शंखनाद से पहले दांव पर है। अगर रालोद यहां अपने को जीत दिलाने में सफल होती है और कल आने वाला नतीजा मदन भैया के पक्ष में जाता है तो निश्चित ही सूबे की राजनीति में जयंत और रालोद का कद बढ़ेगा। अगर तीनों सीटों के उपचुनाव के नतीजे सपा -रालोद के खिलाफ आये तो दोनों ही दलों को अपने भविष्य की राजनीति पर मंथन व चिंतन करना होगा। स्व. नेताजी की विरासत को बचाने के लिये डिंपल यादव का चुनाव जीतना सपा के लिये बेहद जरूरी है। कुछ ऐसा ही हाल खतौली की सीट पर जयंत की रालोद का भी है। यहां की हार-जीत आगामी लोकसभा चुनाव के लिए बड़ा महत्व रखती है। कई मायनों में भारतीय जनता पार्टी के लिए भी उपचुनाव के नतीजे बेहद अहम हैं। सत्तारूढ़ होते हुये जहां मैनपुरी व रामपुर जीतने की चुनौती भजपा के सामने है वहीं खतौली की सीट को बचाये रखना भी 2024 के समीकरणों के लिये आवश्यक है। प्रदेश की तीनों सीटों पर हुए उपचुनाव को राजनीतिक दल ही नहीं सियासी पंडित भी आम चुनाव का सेमीफाइनल मान रहे हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।